ईमानदारी का फल

1 लकड़हारा किसे कहते हैं? वह पेड़ से लकड़ी क्यों काट रहा था?

जो लकड़ियां काटता है उसे लकड़हारा कहते हैं। पैसे कमाने और अपने परिवार का पेट भरने के लिए वह लकड़ी काट रहा था।

2 लकड़हारा नीम के नीचे मुंह लटकाए क्यों बैटा था ?

लकड़हारे की कुल्हाड़ी तालाब में गिर गई थी। जिसे खोज कर वह थक गया था, पर कुल्हाड़ी नहीं मिली। इसलिए वह मुंह लटकाए बैठा था।

3 लकड़हारे को तसल्ली देने वाला आदमी कौन था?

लकड़हारे को तसल्ली देने वाला आदमी जल का देवता था।

4 जल के देवता ने लकड़हारे को पहले चांदी की और फिर सोने की कुल्हाड़ी क्यों देनी चाही ?

जल के देवता लकड़हारे की इमानदारी और सच्चाई की परीक्षा ले रहे थे। इसलिए उन्होंने पहले चांदी और फिर सोने की कुल्हाड़ी देना चाही।

5 लकड़हारे ने चांदी और सोने की कुल्हाड़ी क्यों नहीं ली?

लकड़हारा एक सच्ची और इमानदार इंसान था। इसलिए उसने चांदी और सोने की कुल्हाड़ी नहीं ली।

6 जल के देवता ने लकड़हारे को पुरस्कार क्यों दिया?

लकड़हारे की इमानदारी से खुश होकर जल के देवता ने उसे पुरस्कार दिया।